Visit of Research Advisory Committee members at Farm Machinery Resource Centre and Institute Workshop [19-21 April, 2022]

20th April, Patna (Bihar)

The Research Advisory Committee (RAC) members visited the farm machinery resource centre on 20.04.2022 as well as institute workshop where fish vending cart, makhana seed grader and improved hand operated maize sheller were live demonstrated. The fish vending cart was designed and fabricated in the institute workshop. It had solar back-up aerator, a tank for live fish, container for frozen fish, fish scaler and other hand tools for cutting and processing of fish. The aerator as well as fish scaler was operated by 80 w solar unit. the vending cart is suitable for rural entrepreneurs for vending fish in the market. The Chairman of the RAC Dr. Surendranath Pashupalak (Ex. Vice Chancellor, OUAT) appreciated the efforts of the team of Dr. Prem K Sundaram, Dr. Atiqur Rahman, Dr Bikas Sarkar, Dr. S K Ahirwal, Dr. A K Singh, Dr. Pawan Jeet and Sh. Manoj Kr. Sinha. He also suggested to develop similar facility for fish seed transportation.

RAC members Dr. H C Bhattacharya, Dr A K Pal and Dr. N Nagarajan were shown live demo of the prototype makhana seed grader. It was able to grade makhana in 5 sizes. Makhana seed grading is prerequisite before makhana popping. Its capacity was approximately 10 kg per minute.

The manual improved maize sheller which was developed at this workshop was also demonstrated before the honourable RAC members. It was modified to increase its efficiency and reduce drudgery for women folks. The modified maize sheller allows one hand to rotate the sheller continuously and the other hand to feed the maize cob. It increased the output efficiency by approximately 25 percent.

Dr. Ashutosh Upadhyaya, I/C Director, ICAR RCER briefed about the different activities carried out by the institute workshop as well as Farm machinery Resource Centre.

P.T.O

Venue: ICAR RCER Patna, 20 April 2022

Demonstration of fish vending cart

Venue: ICAR RCER Patna, 20 April 2022

Demonstration of Makhana Seed Grader

Demonstration of Improved Maize Sheller

Venue: ICAR RCER Patna, 20 April 2022

Interaction of RAC members with scientists at Farm Machinery Resource Centre

Newspaper coverage

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद परामर्शदात्री समिति ने कृषि मशीनरी संसाधन केंद्र के साथ-साथ संस्थान कार्यशाला का किया दौरा

मछली वेंडिंग कार्ट, मखाना बीज ग्रेडर और बेहतर हाथ से संचालित मक्का शेलर, हाइड्रोपोनिक्स संरचना की तारीफ की

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर ने बनाये महिला उपयोगी कृषि यन्त्र

स्वतंत्र नवबिहार पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना (बिहार) के निदेशक डॉ आशुतोष उपाध्याय ने 18वीं अनुसंधान परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्रनाथ पशुपालक (पूर्व कुलपति उड़ीसा कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर उड़ीसा) और सदस्यगण डॉ एच सी भट्टाचार्य (पूर्व निदेशक, विस्तार निदेशालय, असम कृषि विश्वविद्यालय), डॉ ए के पाल (पूर्व संयुक्त निदेशक केंद्रीय मत्यस अध्ययन संस्थान, मुंबई) एवं डॉ एन नागराजू (पूर्व डीन और विस्तार निदेशक, कृषि विज्ञान बंगलौर) एवं को प्रक्षेत्र भ्रमण कराया । इस दौरान संस्थान के सभी वैज्ञानिक एवं तकनिकी अधिकारी भी मौजूद थे कृषि मशीनरी संसाधन केंद्र के साथ-साथ संस्थान कार्यशाला में मछली वेंडिंग कार्ट, मखाना बीज ग्रेडर और हाथ से संचालित बेहतर मक्का शेलर का लाइव प्रदर्शन किया गया। संस्थान की कार्यशाला में फिश वेंडिंग कार्ट का निर्माण और विकास किया गया था। इसमें सौर संचालित जलवाहक, जीवित मछली भंडारण के लिए 250 लीटर टैंक, फ्रोजेन मछली के लिए टैंक,

मछली स्केलर और मछलियों को काटने के लिए अन्य उपकरण थे। जलवाहक और साथ ही मछली स्केलर 80 ६ सौर इकाई द्वारा संचालित था। वेंडिंग कार्ट बाजार में मछली बेचने के लिए उद्यमियों के लिए उपयुक्त है। विकसित मखाना सीड ग्रेडर मखाना को 5 आकारों में ग्रेड करने में सक्षम है। मखाना पॉपिंग से पहले मखाना सीड ग्रेडिंग एक पूर्वापेक्षा है। इसकी क्षमता लगभग 10 किलो प्रति मिनट है। मैनुअल मक्का शेलर को इसकी दक्षता बढ़ाने के लिए संशोधित किया गया था। इसने आउटपुट दक्षता में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि की।परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने कृषि मशीनरी संसाधन केंद्र के साथ-साथ संस्थान कार्यशाला में विशेष रूचि दिखाई एवं मछली वेंडिंग कार्ट, मखाना बीज ग्रेडर और हाथ से संचालित मक्का शेलर को बनाने वाले वैज्ञानिकों डॉ प्रेम कु० सुंदरम, डॉ बिकाश सरकार, डॉ पवन जीत एवं डॉ अनिल कुमार सिंह से विचार विमर्श किया ।संस्थान के निदेशक डॉ आशुतोष उपाध्याय ने परामर्शदात्री समिति के सदस्यों को बताया की के सदस्यों को बताया की ये सभी यन्त्र विगत एक वर्षों में कृषि मशीनरी संसाधन केंद्र के साथ-साथ संस्थान कार्यशाला में तैयार किये गए हैं। परामर्शदात्री समिति अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्रनाथ पशुपालक महिला उपयोगी कृषि यंत्रों के निर्माण पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा की भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा एक सराहनीय प्रयास है।